Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

अक्टूबर 2022 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से किया सम्मानित 3
- सर्वाधिक रक्तदान के लिये देश में प्रथम स्थान पर रहा मध्य प्रदेश 3
- मध्य प्रदेश बना देश का सबसे स्वच्छ राज्य, इंदौर छठी बार देश का स्वच्छतम शहर 4
- मध्य प्रदेश को मिला स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2022 में पश्चिम ज़ोन में प्रथम पुरस्कार 5
- कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन योजना के लिये समिति गठित 5
- राज्य बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन 6
- इंदौर, हरदा, डिंडौरी और सागर में खुलेंगी साइबर तहसील 6
- 36वें राष्ट्रीय खेलों में मलखंब में प्रणव और सिद्धि ने जीता 2 स्वर्ण पदक 6
- प्रधानमंत्री ने 'श्री महाकाल लोक' का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया 7
- एससी-एसटी मेगा बिजनेस कॉन्क्लेव एंड एक्सपो 8
- मध्य प्रदेश को मिली ट्रॉपमेट-2022 की मेज़बानी 8
- उज्जैन रोप-वे के लिये 209 करोड़ रुपए मंज़ूर 8
- पाँच सिंचाई परियोजनाओं के अमल का मार्ग हुआ प्रशस्त 9
- केंद्रीय गृह मंत्री ने किया 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन 9
- केंद्रीय गृह मंत्री ने किया 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन 10
- मध्य प्रदेश मंत्रि-परिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय 11
- औद्योगिक भूमि, भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 में संशोधन 11
- पीएमएवाई शहरी में मध्य प्रदेश को मिला बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड श्रेणी में दूसरा स्थान 12
- मध्य प्रदेश करेगा खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 की मेजबानी 12
- प्रदेश में 7वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन 13
- क्राफ्ट अवार्ड में मुबारिक खत्री को मिला 'मास्टर आर्टिसन ऑफ द ईयर' का खिताब 13
- रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को मिला 'फाइव स्टार ईट राइट स्टेशन' का प्रमाण-पत्र 14
- मध्य प्रदेश से पहले मिस्टर इंडिया बने विनीत शर्मा 14
- मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के मौके पर बटरफ्लाई फेस्टिवल का होगा आयोजन 15
- स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार नियमों में संशोधन 15
- गाँव में भी मिलेंगे साँची के उत्पाद 16
- डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त 16
- 222 करोड़ में बनेगी भोपाल की सबसे लंबी सिक्स लेन सड़क 17
- ग्वालियर ज़िले में अंतर्राष्ट्रीय डांस कार्निवाल की शुरुआत 17
- मुरैना में आयोजित होगा कृषि मेला 18

नोट :

मध्य प्रदेश

राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

30 सितंबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मध्य प्रदेश को 2 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने 'मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट'और प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने नॉन फीचर फिल्म में बेस्ट एथनोग्राफिक फिल्म श्रेणी में 'मांदल के बोल'के लिये रजत कमल पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्राप्त किये। साथ ही, फिल्म 'मांदल के बोल'के निर्देशक राजेंद्र जांगले को भी रजत कमल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 'मांदल के बोल'को नॉन फीचर फिल्म में बेस्ट एथनोग्राफिक फिल्म श्रेणी में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला है। यह फिल्म मध्य प्रदेश में बैगा जनजाति के जीवन और ग्रामीण परिवेश को प्रदर्शित करती है। मध्य प्रदेश ट्राइबल म्यूजियम द्वारा निर्मित और राजेंद्र जांगले द्वारा निर्देशित 27 मिनट की फिल्म में कमेंट्री और संगीत है। फिल्म के दृश्यों के साथ सुमधुर संगीत फिल्म को बहुत खास बनाता है।
- उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 22 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की थी।
- प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की फिल्म नीति में फिल्मकारों को अनुदान, लोक सेवा गारंटी में समय-सीमा में अनुमति प्रदाय, सिंगल विंडो सिस्टम आदि आकर्षक पहलुओं को शामिल किया गया है। मध्य प्रदेश अपने नैसर्गिक सौंदर्य और आकर्षक लोकेशन से फिल्मकारों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षित करता है।
- मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट अवॉर्ड पाने वाले मध्य प्रदेश में अब तक 350 से ज़्यादा फिल्म, सीरियल, वेब सीरीज़ सहित अन्य परियोजनाओं की शूटिंग हो चुकी है। वर्तमान में 7 फिल्म प्रोजेक्ट पिंच, तिवारी, चंदेरी हैंडलूम द वोवेन मोटिफ्स, महल, द मास्टर स्क्वॉड, करतम भुगतम, पराक्रम की शूटिंग चल रही है।
- गौरतलब है कि मध्य प्रदेश, देश का एकमात्र राज्य है, जिसने परियोजनाओं की अनुमति को लोक सेवा गारंटी अधिनियम में शामिल किया है। अधिनियम में 15 कामकाजी दिवसों में फिल्म शूटिंग की अनुमति का प्रावधान है। साथ ही यह पहला ऐसा राज्य है, जिसने फिल्म नीति में दिये जाने वाले अनुदान में वेब सीरीज़, ओटीटी ओरिजिनल कंटेंट, टीवी सीरियल एवं डॉक्यूमेंट्री को शामिल किया है।
- प्रदेश में सभी फिल्मांकन अनुमतियों के लिये सिंगल विंडो क्लीयरेंस की सुविधा उपलब्ध है। फिल्म पर्यटन नीति को ज़िला स्तर पर क्रियान्वित करने के लिये प्रत्येक ज़िले में एडीएम स्तर के अधिकारी को फिल्मांकन अनुमति हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
- मध्य प्रदेश को थिएटर हब कहा जाता है। यहाँ वरिष्ठ और कनिष्ठ, दोनों ही कलाकारों की उपलब्धता है। फिल्म नीति के अंतर्गत राज्य के स्थानीय कलाकारों के लिये अतिरिक्त वित्तीय अनुदान सहित फिल्म क्रू का पर्यटन विभाग के होटल एवं रिसॉर्ट में ठहरने पर छूट का प्रावधान है। साथ ही, राज्य में फिल्म उद्योग के विकास के लिये फिल्म सिटी, फिल्म स्टूडियो, कौशल विकास केंद्र आदि स्थापित करने, निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं आरक्षित भूमि इत्यादि का प्रावधान है।

सर्वाधिक रक्तदान के लिये देश में प्रथम स्थान पर रहा मध्य प्रदेश

चर्चा में क्यों ?

1 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में मध्य प्रदेश को रक्तदान अमृत महोत्सव में में देश में पहले स्थान पर आने पर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश के स्वास्थ्य संचालक अनुराग चौधरी ने यह अवार्ड ग्रहण किया और बताया कि पूरे देश में 17 सितंबर से शुरू हुए रक्तदान अमृत महोत्सव में अंतिम दिन एक अक्टूबर तक आनुपातिक रूप से सर्वाधिक रक्तदान कर मध्य प्रदेश पूरे देश में प्रथम रहा।
- प्रदेश में पहले दिन 17 सितंबर को 31हज़ार 514 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर अमृत महोत्सव में एक नया कीर्तिमान बनाया था। पूरे अभियान अवधि में कुल 903 शिविर में 36 हज़ार 658 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।
- रक्तदान अमृत महोत्सव में विशेष रक्तदान महा-अभियान चला कर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान के पहले ही दिन प्रदेश के सभी ज़िलों में स्वयंसेवी संस्थाओं, एनजीओ, रेडक्रॉस सोसाइटी, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से विभिन्न ज़िलों में रक्तदान शिविर लगाए गए।
- प्रदेश में रक्तदान अमृत महोत्सव में सभी ज़िलों के ब्लड सेंटरों द्वारा ब्लॉक एवं ग्राम स्तर तक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये विशेष कार्यक्रम- कार्यशाला, रैली, नुक्कड़ नाटक और रक्तदान शिविर लगाए गए। इन शिविरों में ज़िलों के जन-प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संगठन और गणमान्य नागरिक शामिल हुए।
- महा-अभियान में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान के लिये इच्छुक नागरिकों का पंजीयन भी किया गया, जिससे उनके नज़दीक के किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता होने पर पंजीकृत रक्तदाता से रक्त मिल सके।
- गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस पर 17 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2022 तक पूरे देश में आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव में मध्य प्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मध्य प्रदेश बना देश का सबसे स्वच्छ राज्य, इंदौर छठी बार देश का स्वच्छतम शहर

चर्चा में क्यों ?

1 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश को 100 से अधिक शहरों वाले राज्यों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य और इंदौर को देश के स्वच्छतम शहर का अवार्ड प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार द्वारा करवाए गए स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हर साल की तरह मध्य प्रदेश ने एक बार फिर स्वच्छता के कीर्तिमान स्थापित किये। स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में प्रदेश को 16 राष्ट्रीय अवार्ड मिले हैं। प्रदेश के 99 नगरीय निकायों को स्टार रेटिंग मिली है। वर्ष 2021 में 27 शहरों को स्टार रेटिंग मिली थी।
- भोपाल को 5 स्टार के साथ ही देश की स्वच्छ संवहनीय राजधानी का अवार्ड भी मिला। इंदौर प्रथम 7 स्टार रेटिंग प्रमाणित शहर बना। उज्जैन को एक लाख से अधिक जनसंख्या श्रेणी के शहरों में सर्वश्रेष्ठ नागरिक सहभागिता का सम्मान मिला।
- एक लाख से 3 लाख जनसंख्या के शहरों में देश का सिटीजन फीडबैक का अवार्ड छिंदवाड़ा को, 15 हज़ार से 25 हज़ार जनसंख्या श्रेणी में स्व-संवहनीय शहर का सम्मान पश्चिम ज़ोन में मुंगावली को, पश्चिम जोन के 50 हज़ार से एक लाख जनसंख्या श्रेणी के शहरों में स्व-संवहनीय शहर का अवार्ड खुरई को और देश के तीसरे सबसे स्वच्छ कैंट का अवार्ड महू कैंट को मिला।
- इसी तरह पश्चिम ज़ोन में 15 हज़ार से 25 हज़ार जनसंख्या श्रेणी में सबसे तेज़ बढ़ते शहर का अवार्ड औबेदुल्लागंज को, 15 हज़ार से कम जनसंख्या श्रेणी में सबसे तेज़ी से आगे बढ़ते शहर का अवार्ड फूफकला को, 15 हज़ार से 25 हज़ार जनसंख्या श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नवाचार का अवार्ड पेटलावद को और एक लाख से कम जनसंख्या के शहरों में देश में सबसे अधिक नागरिक सहभागिता का अवार्ड बड़ौनी को मिला है।
- इंडियन स्वच्छता लीग में उत्तम प्रदर्शन के लिये उज्जैन और खजुराहो को नेशनल अवार्ड मिला।
- स्वच्छ भारत मिशन में प्रदेश की उपलब्धियाँ-
  - प्रदेश के शत-प्रतिशत नगरीय क्षेत्रों में कचरा संग्रहण किया जा रहा है। इसके लिये नगरीय निकायों को 5 हज़ार 423 से अधिक मोटराइज्ड वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इन वाहनों में जीपीएस और पीए सिस्टम लगाए गए हैं।

नोट :

- गीले कचरे के प्र-संस्करण और निष्पादन के लिये होम कंपोस्टिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। निकायों की केंद्रीकृत कंपोस्टिंग इकाइयों में संगृहीत गीले कचरे की कंपोस्ट बनाई जाती है। यह कंपोस्ट नगरीय क्षेत्रों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में खाद के रूप में उपयोग की जाती है।
- सूखे कचरे के प्र-संस्करण के लिये 256 नगरीय निकायों में 275 मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी इकाइयों का निर्माण किया गया है।
- निकायों में लीगेसी अपशिष्ट को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य है। अब तक 50 निकायों के शत-प्रतिशत लिगेसी अपशिष्ट का प्र-संस्करण कर दिया गया है।
- प्रदेश में 60 नगरीय निकायों को 5 एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्लस्टर के तहत कवर किया गया है। इसके अलावा 316 नगरीय निकायों में स्टैंड एलोन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये कार्यवाही की जा रही है।
- फीकल स्लज के निष्पादन को प्राथमिकता में शामिल करते हुए 354 एफएसटीपी और 18 निकायों में 51 एसटीपी संचालित हैं।

मध्य प्रदेश को मिला स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2022 में पश्चिम ज़ोन में प्रथम पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार समारोह में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2022 में पश्चिम ज़ोन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- इसी प्रकार पश्चिम ज़ोन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ज़िलों में भोपाल को प्रथम एवं इंदौर को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुजलम 0 अभियान में श्रेष्ठ कार्य के लिये मध्य प्रदेश को प्रथम और सुजलम 2.0 अभियान में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुआ है। ये पुरस्कार केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदान किये।
- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर ज़िले को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2022 पुरस्कार समारोह में हर घर जल प्रमाणित ज़िला घोषित करने के लिये सम्मानित किया गया। बुरहानपुर में सभी गाँव ने ग्राम सभाएँ आयोजित कर सत्यापित किया कि उनके सभी घरों, शालाओं और आँगनबाड़ियों में सुरक्षित पीने का पानी सही मात्रा में नियमित रूप से मिल रहा है।

कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन योजना के लिये समिति गठित

चर्चा में क्यों ?

7 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग ने बताया कि राज्य शासन ने मध्य प्रदेश कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन योजना के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की है।

प्रमुख बिंदु

- इस समिति में अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास और वन को सदस्य बनाया गया है।
- इसके अतिरिक्त प्रमुख सचिव सहकारिता, ऊर्जा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण, चिकित्सा शिक्षा और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण एवं सचिव सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भी सदस्य होंगे।
- समिति में प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण सदस्य सचिव होंगे।
- समिति प्रदेश में कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट स्थापना के संबंध में कृषि, वन अपशिष्ट, डिस्टिलरी अपशिष्ट और नगरीय निकायों के ठोस अपशिष्ट उपलब्धता की समीक्षा करेगी। साथ ही योजना से संबंधित कार्य-योजना बनाने और प्रदेश में उपलब्ध विभिन्न भौगोलिक अपशिष्ट के अनुसार बायो गैस प्लांट स्थापना के लिये सुझाव देगी। समिति 3 माह में कम-से-कम एक बैठक अवश्य करेगी।

नोट :

राज्य बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन

चर्चा में क्यों ?

7 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग ने बताया कि राज्य शासन ने मिशन वात्सल्य की निगरानी, मूल्यांकन एवं समीक्षा के लिये राज्य बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति गठित की है।

प्रमुख बिंदु

- विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में गठित राज्य बाल संरक्षण समिति को अधिक्रमित करते हुए इस समिति का गठन किया गया है।
- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव महिला बाल विकास समिति के अध्यक्ष इस समिति के अध्यक्ष होंगे।
- समिति में प्रमुख सचिव स्तर के सदस्यों में गृह, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्त कल्याण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विधि और विधायी कार्य, स्कूल शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार, नगरीय विकास एवं आवास, श्रम, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, अनुसूचित जाति कल्याण, जनजातीय कार्य और सचिव मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शामिल किया गया है। समिति में आयुक्त/संचालक महिला बाल विकास सदस्य सचिव होंगे।
- समिति प्रत्येक वर्ष त्रैमास में मिशन वात्सल्य दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन, मूल्यांकन तथा समीक्षा करेगी।

इंदौर, हरदा, डिंडौरी और सागर में खुलेंगी साइबर तहसील

चर्चा में क्यों ?

9 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि सीहोर एवं दतिया ज़िले से साइबर तहसीलें बनाने के पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस नवाचार की योजना के द्वितीय चरण को इंदौर, हरदा, डिंडौरी और सागर में भी लागू किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने बताया कि साइबर तहसील लागू करने वाला मध्य प्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जिसने इस अभिनव प्रयोग के ज़रिये लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में आशातीत सफलता पाई है।
- मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि द्वितीय पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इसे पूरे राज्य मं लागू करने की योजना बनायी जा रही है। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के सेकेंड फेज की सफलता का आकलन करने के लिये 6 महीने तक इसके परिणाम का अध्ययन किया जाएगा और फिर इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।
- विदित है कि अविवादित नामांतरण/बँटवारे के प्रकरणों को सरलता से निपटाने के लिये साइबर तहसील का गठन किया गया था।
- जिस ज़िले में साइबर तहसील कार्य करेगी, उस ज़िले के लोगों को अविवादित नामांतरण/बँटवारे के प्रकरणों के लिये तहसील कार्यालय जाने की ज़रूरत नहीं होगी। ऑनलाइन आवेदन करके ऐसे अविवादित नामांतरण/बँटवारे के प्रकरणों का निराकरण हो सकेगा।

36वें राष्ट्रीय खेलों में मलखंब में प्रणव और सिद्धि ने जीता 2 स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

10 अक्टूबर, 2022 को गुजरात में चल रहे 36वें राष्ट्रीय खेलों में मध्य प्रदेश के प्रणव कोरी तथा सिद्धि गुप्ता ने मलखंब में स्वर्ण पदक हासिल किये।

प्रमुख बिंदु

- ज्ञातव्य है कि सिद्धि गुप्ता ने पोल मलखंब में स्वर्ण पदक और रोप मलखंब में रजत पदक हासिल किया तथा प्रणव कोरी ने हैंगिंग मलखंब में स्वर्ण पदक जीता।

नोट :

- इनके अलावा राज्य के ही राजवीर पवार ने रोप मलखंब में रजत पदक जीता तथा चंद्रशेखर चौहान ने रोप और पोल मलखंब इवेंट में क्रमश: 1-1 कांस्य पदक हासिल किये।
- उल्लेखनीय है कि 36वें राष्ट्रीय खेलों में अब तक मध्य प्रदेश ने 19 स्वर्ण, 23 रजत और 17 कांस्य पदक के साथ कुल 59 पदक जीते हैं।

प्रधानमंत्री ने 'श्री महाकाल लोक' का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया

चर्चा में क्यों ?

11 अक्टूबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जैन के विश्वप्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में 'श्री महाकाल लोक'का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रिमोट का बटन दबाते ही रंगीन कलावे (रक्षा सूत्र) निर्मित शिवलिंग के रूप में भगवान महाकाल मानों स्वयं प्रकट हो गए। साथ ही पूरा वातावरण शिवमय हो गया।
- प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री महाकाल लोक में निर्मित भित्ति-चित्रों, स्तंभों एवं प्रतिमाओं में वर्णित शिव-लीलाओं की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल मंगूभाई पटेल भी उपस्थित थे।
- प्रधानमंत्री ने श्री महाकाल लोक में भगवान श्री शंकर की ध्यानस्थ प्रतिमा, सप्तर्षि मंडल आदि का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने ई-कार्ट में बैठ कर 900 मीटर लंबे 'श्री महाकाल लोक'परिसर में निर्मित नयनाभिराम धार्मिक-आध्यात्मिक और शिव लीला पर आधारित कला रूपों का अवलोकन किया।
- भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लगभग 700 कलाकारों ने अपने नृत्य, गीत और अभिनय से भगवान शिव की लीलाओं की प्रस्तुति दी। भारत सहित दुनिया के 40 देश इस आध्यात्मिक, अलौकिक, अद्वितीय एवं अद्भुत अनुभूति के साक्षी बने।
- राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में सिंहस्थ कुंभ-2016 में उज्जैन में विश्वस्तरीय अधो-संरचना का विकास किया गया था। मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में 'बनारस कॉरीडोर'की तर्ज पर 'श्री महाकाल लोक'बनाया जा रहा है। 'श्री महाकाल लोक क्षेत्र विकास परियोजना की अनुमानित लागत 800 करोड़ रुपए है।
- योजना के प्रथम चरण में भगवान श्री महाकालेश्वर के आँगन में छोटे और बड़े रूद्र सागर, हरसिद्धि मंदिर, चारधाम मंदिर, विक्रम टीला आदि का विकास किया गया है।
- लोकार्पित प्रथम चरण में 350 करोड़ रुपए से महाकाल प्लाजा, महाकाल कॉरिडोर, मिड-वे जोन, महाकाल थीम पार्क, घाट एवं डेक एरिया, नूतन स्कूल कॉम्प्लेक्स, गणेश स्कूल कॉम्प्लेक्स का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- महाकाल कॉरिडोर के प्रथम घटक में पैदल चलने के लिये उपयुक्त 200 मीटर लंबा मार्ग बनाया गया है। इसमें 25 फीट ऊँची एवं 500 मीटर लंबी म्युरल वाल बनाई गई है। साथ ही, 108 शिव स्तंभ, शिव की मुद्राओं सहित विविध प्रतिमाएँ निर्मित हो चुकी हैं, जो अलग ही छटा बिखेर रही हैं।
- लोटस पोंड, ओपन एरिया थिएटर तथा लेक फ्रंट एरिया, ई-रिक्शा एवं आकस्मिक वाहनों के लिये मार्ग भी बनाए गए हैं। बड़े रुद्र सागर की झील में स्वच्छ पानी भरा गया है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि यह पानी स्वच्छ भी रहे।
- श्री महाकाल लोक के दूसरे चरण में महाराजवाड़ा परिसर का विकास किया जाएगा, जिसमें ऐतिहासिक महाराजवाड़ा भवन का हैरिटेज के रूप में पुन: उपयोग, कुंभ संग्रहालय के रूप में पुराने अवशेषों का समावेश कर महाकाल मंदिर परिसर से एकीकरण किया जाएगा। दूसरे चरण के कार्य 2023-24 में पूर्ण होंगे।

नोट :

एससी-एसटी मेगा बिजनेस कॉन्क्लेव एंड एक्सपो

चर्चा में क्यों ?

12 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह ने दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (DICCI) के मेगा एससी-एसटी बिजनेस कॉन्क्लेव एंड एक्सपो का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से रवींद्र भवन में डिक्की द्वारा एससी-एसटी मेगा बिजनेस कॉन्क्लेव एंड एक्सपो में चार सत्रों में देशभर से आए ख्यात उद्यमियों ने अपनी सफलता के अनुभव साझा किये।
- सचिव एमएसएमई पी. नरहरि ने कहा कि एमएसएमई उभरते सेक्टर प्रसंस्करण एग्रो, खिलौना निर्माण और फर्नीचर के क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने में सहयोग करता है।
- उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने खिलौना और फर्नीचर में आत्म-निर्भरता के लिये पॉलिसी बनाई है। अजा-अजजा वर्ग के युवा को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार सतत् प्रयत्नशील है। सरकार ने अनुसूचित जाति जनजाति के लिये उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से योजना में विशेष प्रावधान किये हैं।
- दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के नेशनल प्रेसिडेंट पद्मश्री रवि कुमार नर्रा ने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार ने शासकीय योजनाओं में विशेष प्रावधान कर अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिये सतत् प्रयासरत है।
- प्रदेश के 25 ज़िलों में उद्यमियों द्वारा स्टाल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया और इसमें दूसरे 5 राज्य से भी उद्यमियों ने स्टाल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।
- गौरतलब है कि दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स स्व-सहायता और उद्यमिता के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के आर्थिक सशक्तिकरण के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिये काम करता है। इसकी स्थापना 2005 में की गई थी।

मध्य प्रदेश को मिली ट्रॉपमेट-2022 की मेज़बानी

चर्चा में क्यों ?

13 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के मौसम विज्ञान विभाग, भोपाल के प्रमुख डॉ. आर. बाला सुब्रमणियन ने बताया कि मध्य प्रदेश मौसम विज्ञान विभाग, आईआईएसइआर (IISER) और आईएमएसबी द्वारा ट्रॉपमेट-2022 का आयोजन इस बार मध्य प्रदेश में होगा।

प्रमुख बिंदु

- किसान-कल्याण तथा कृषि मंत्री कमल पटेल ने बताया कि ट्रॉपमेट-2022 में मध्य प्रदेश के कृषि एवं पर्यावरण मौसम की भविष्यवाणी तथा आने वाली मौसमी घटनाओं और चुनौतियों पर विशेष चर्चा होगी, जिससे किसानों और जनता को लाभ होगा।
- ट्रॉपमेट-2022 में चर्चा और शोध के परिणामों से कृषि के क्षेत्र में अधिकाधिक लाभ होने की उम्मीद होगी।
- उन्होंने बताया है कि इसमें देश के 400 से अधिक मौसम वैज्ञानिक, कृषि मौसम वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और शोधार्थी शामिल होंगे।
- उल्लेखनीय है कि ट्रॉपमेट-2022 का आयोजन भोपाल में आगामी 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक किया जाएगा।

उज्जैन रोप-वे के लिये 209 करोड़ रुपए मंज़ूर

चर्चा में क्यों ?

13 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने ट्वीट में बताया कि मध्य प्रदेश में उज्जैन रोप-वे के लिये 209 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी गई है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यह रोप-वे उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक 2 किलोमीटर की लंबाई में स्थापित किया जाएगा। इस रोप-वे टेंडर के निर्माण से रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक की दूरी 5 मिनट में तय होगी।
- नितिन गडकरी के ट्वीट के अनुसार जुलाई-2023 से रोप-वे का निर्माण कार्य शुरू होगा।
- इस रोप-वे स्टेशन में लोगों के लिये फूड ज़ोन, प्रतीक्षालय, शौचालय के साथ बस और कार पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी।

पाँच सिंचाई परियोजनाओं के अमल का मार्ग हुआ प्रशस्त

चर्चा में क्यों ?

14 अक्टूबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न नर्मदा नियंत्रण मंडल की 75वीं बैठक में प्रदेश में नर्मदा जल उपयोग के लिये 11 हज़ार 540 करोड़ रुपए लागत की 5 सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से मध्य प्रदेश के हिस्से के 223 एमएएफ नर्मदा जल का उपयोग सुनिश्चित होगा। इन परियोजनाओं के निर्माण से लगभग 2 लाख 14 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी और 100 मेगावाट विद्युत उत्पादन भी होगा।
- बैठक में जो निविदाएँ स्वीकृत की गईं, उनमें डिंडोरी ज़िले की अपर नर्मदा 45 हज़ार 600 हेक्टेयर, होशंगाबाद ज़िले की दूधी 55 हज़ार 410 हेक्टेयर, नरसिंहपुर ज़िले की शक्कर-पेंच लिंक 95 हज़ार 839 हेक्टेयर, मंडला ज़िले की बसानिया 8 हज़ार 780 हेक्टेयर एवं सीहोर ज़िले की डोबी 8 हज़ार 544 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की परियोजनाएँ शामिल हैं।
- मुख्यमंत्री ने बरगी परियोजना की स्लीमनाबाद टनल का कार्य जून 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। टनल के बाद निकलने वाली रीवा शाखा नहर के लिये भी दो ग्रुप में निविदाएँ स्वीकृत की गईं। इनसे 42 हज़ार 700 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा निर्मित होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने किया 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

16 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान ग्वालियर के जयविलास पैलेस स्थित म्यूज़ियम में 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- 'गाथा स्वराज की' गैलरी को मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज और सिंधिया साम्राज्य के संस्थापक महादजी सिंधिया को समर्पित किया गया है। प्रदर्शनी में देश के प्रमुख मराठा शासक सिंधिया, गायकवाड़, होल्कर, नेवालकर, भोंसले और पंवार जैसी तीस मराठा रियासतों का उल्लेख किया गया है।
- मराठा गैलरी में तैयार की गई मराठा क्षत्राणियों के स्टैंड में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को भी मराठा क्षत्राणी के रूप में स्थान दिया गया है। इसमें वीरांगना झाँसी की रानी के अलावा सिंधिया रियासत की महारानी रहीं वैजाबाई से लेकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया तक के सुंदर और भावनात्मक पोट्रेट लगाए गए हैं।
- जयविलास महल भव्यता और सुंदरता का अनुपम उदाहरण है। सिंधिया खानदान के इतिहास का वर्णन करने वाले इस महल के ही एक हिस्से में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी रहते हैं तो वहीं इसके दूसरे हिस्से को भव्य संग्रहालय में बदल दिया गया है।
- गौरतलब है कि यह महल तकरीबन 40 एकड़ (12 लाख स्क्वायर फीट) में फैला हुआ है। ग्वालियर रियासत के महाराज जयाजीराव सिंधिया ने इस खूबसूरत महल को साल 1874 में बनवाया था, जो कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के दादा थे। फ्राँसीसी आर्किटेक्ट सर माइकल फिलोस ने इस महल को डिज़ाइन किया था।

नोट :

- जयविलास में चार सौ कमरे हैं। 1874 में जयविलास के निर्माण में एक करोड़ रुपए खर्च हुए थे। विदेशी कारीगरों की मदद से जयविलास महल को बनाने में 12 साल का समय लगा था। जयविलास पैलेस में साल 1964 में म्यूजियम शुरू हुआ।
- महल की दूसरी मंजिल पर बने दरबार हॉल को जयविलास महल की शान कहा जाता है। हॉल की दीवारों और छत को पूरी तरह सोने-हीरे-जवाहरात से सजाया गया है। इस पर दुनिया का सबसे ज़्यादा वज़नी (3500 किग्रा.) झूमर लगाया गया है।
- जयविलास पैलेस इटली की टस्कन और कोरिंथियन शैली में बना न केवल भारत, बल्कि दुनिया के चुनिंदा महलों में से एक है। दिवंगत राजमाता विजयाराजे सिंधिया द्वारा अपने पति महाराजा जीवाजी राव सिंधिया की स्मृति में महल में एक म्यूजियम का निर्माण कराया गया था, जिसमें सिंधिया राज परिवार की गाथा कहते हुए उनके परिवार से जुड़े सामानों को संरक्षित किया गया है। यह म्यूजियम दुनिया के गिने-चुने शाही म्यूजियमों में से एक है, जिसे देखने देश-दुनिया से हज़ारों दर्शक हर वर्ष ग्वालियर पहुँचते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने किया 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

16 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान ग्वालियर के जयविलास पैलेस स्थित म्यूजियम में 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- 'गाथा स्वराज की' गैलरी को मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज और सिंधिया साम्राज्य के संस्थापक महादजी सिंधिया को समर्पित किया गया है। प्रदर्शनी में देश के प्रमुख मराठा शासक सिंधिया, गायकवाड़, होल्कर, नेवालकर, भोंसले और पंवार जैसी तीस मराठा रियासतों का उल्लेख किया गया है।
- मराठा गैलरी में तैयार की गई मराठा क्षत्राणियों के स्टैंड में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को भी मराठा क्षत्राणी के रूप में स्थान दिया गया है। इसमें वीरांगना झाँसी की रानी के अलावा सिंधिया रियासत की महारानी रहीं वैजाबाई से लेकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया तक के सुंदर और भावनात्मक पोट्रेट लगाए गए हैं।
- जयविलास महल भव्यता और सुंदरता का अनुपम उदाहरण है। सिंधिया खानदान के इतिहास का वर्णन करने वाले इस महल के ही एक हिस्से में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी रहते हैं तो वहीं इसके दूसरे हिस्से को भव्य संग्रहालय में बदल दिया गया है।
- गौरतलब है कि यह महल तकरीबन 40 एकड़ (12 लाख स्क्वायर फीट) में फैला हुआ है। ग्वालियर रियासत के महाराज जयाजीराव सिंधिया ने इस खूबसूरत महल को साल 1874 में बनवाया था, जो कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के दादा थे। फ्राँसीसी आर्किटेक्ट सर माइकल फिलोस ने इस महल को डिज़ाइन किया था।
- जयविलास में चार सौ कमरे हैं। 1874 में जयविलास के निर्माण में एक करोड़ रुपए खर्च हुए थे। विदेशी कारीगरों की मदद से जयविलास महल को बनाने में 12 साल का समय लगा था। जयविलास पैलेस में साल 1964 में म्यूजियम शुरू हुआ।
- महल की दूसरी मंजिल पर बने दरबार हॉल को जयविलास महल की शान कहा जाता है। हॉल की दीवारों और छत को पूरी तरह सोने-हीरे-जवाहरात से सजाया गया है। इस पर दुनिया का सबसे ज़्यादा वज़नी (3500 किग्रा.) झूमर लगाया गया है।
- जयविलास पैलेस इटली की टस्कन और कोरिंथियन शैली में बना न केवल भारत, बल्कि दुनिया के चुनिंदा महलों में से एक है। दिवंगत राजमाता विजयाराजे सिंधिया द्वारा अपने पति महाराजा जीवाजी राव सिंधिया की स्मृति में महल में एक म्यूजियम का निर्माण कराया गया था, जिसमें सिंधिया राज परिवार की गाथा कहते हुए उनके परिवार से जुड़े सामानों को संरक्षित किया गया है। यह म्यूजियम दुनिया के गिने-चुने शाही म्यूजियमों में से एक है, जिसे देखने देश-दुनिया से हज़ारों दर्शक हर वर्ष ग्वालियर पहुँचते हैं।

नोट :

मध्य प्रदेश मंत्रि-परिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

17 अक्टूबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्रि-परिषद ने सीहोर ज़िले की सीप अंबर सिंचाई कॉम्प्लेक्स परियोजना के लिये 346 करोड़ 12 लाख रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के साथ ही कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये।

प्रमुख बिंदु

- सीप अंबर सिंचाई कॉम्प्लेक्स परियोजना से सीहोर ज़िले के 47 ग्रामों के 15 हज़ार 284 हेक्टेयर सैंच्य क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।
- मंत्रि-परिषद ने ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊँची बहुधातु प्रतिमा और पेडेस्टल के निर्माण कार्य के लिये न्यूनतम दर अनुसार पुनरीक्षित लागत 198 करोड़ 25 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की।
- प्रदेश में ऐसी उचित मूल्य की दुकानें, जहाँ सेल्समैन नहीं हैं और पात्र स्व-सहायता समूह द्वारा दुकान संचालन करने की सहमति दी गई है, उन समूहों को ऐसी दुकानें आपसी सहमति से हस्तांतरित करने की अनुमति मंत्रि-परिषद द्वारा दी गई है। दुकान हस्तांतरण के लिये प्रत्येक ज़िले में कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। गौरतलब है कि प्रदेश में कुल 26 हज़ार 63 उचित मूल्य दुकानें हैं, जिनमें से 4166 नगरीय एवं 21 हज़ार 897 ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं।
- मंत्रि-परिषद ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट (CMYIPD) प्रोग्राम को दो वर्ष के लिये संचालित करने की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर चुके 4 हज़ार 695 इन्टर्न शामिल होंगे। प्रत्येक विकासखंड में 15 इन्टर्न की नियुक्ति की जाएगी।
- मंत्रि-परिषद ने श्री तुलसी पीठ सेवा समिति न्यास द्वारा संचालित श्री तुलसी प्रज्ञाचक्षु दिव्यांग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चित्रकूट की समस्त चल-अचल संपत्तियों का हस्तांतरण महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को विद्यालय संचालन हेतु करने का निर्णय लिया।

औद्योगिक भूमि, भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 में संशोधन

चर्चा में क्यों ?

17 अक्टूबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्रि-परिषद ने मध्य प्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि, भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 में निहित प्रक्रिया को सरलीकृत, विकास उन्मुखी और अधिक प्रभावी बनाने के लिये नियम में संशोधन करने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- विभाग के आधिपत्य की अविकसित भूमि का आवंटन मध्यम उद्यम को किया जा सकेगा। समस्त विकसित एवं विकसित किये जाने वाले औद्योगिक भूखंडों का आवंटन 'प्रथम आओ-प्रथम पाओ'की प्रक्रिया से सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल से किया जाएगा।
- बंद औद्योगिक इकाइयाँ, जो कम-से-कम 5 वर्ष तक उत्पादन में रही हों और कम-से-कम 2 वर्ष से बंद हों, को आवंटित भूखंड के समुचित उपयोग के दृष्टिगत नवीन उद्योग स्थापना के लिये भूखंड का विभाजन कर हस्तांतरण हेतु सशर्त अनुमति पात्रतानुसार प्रदान की जाएगी।
- फर्नीचर क्लस्टर को बढ़ावा देने की दृष्टि से औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटन के लिये प्रतिबंधित गतिविधियों की सूची से आरा मशीन को विलोपित किया गया है।
- औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से राज्य शासन की मंशा के अनुरूप स्थानीय व्यक्तियों को रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे एवं एमएसएमई सेक्टर में भी उद्यम स्थापना एवं संचालन में सुगमता होगी।

नोट :

पीएमएवाई शहरी में मध्य प्रदेश को मिला बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड श्रेणी में दूसरा स्थान

चर्चा में क्यों ?

19 अक्टूबर, 2022 को राजकोट (गुजरात) में इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव में मध्य प्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड श्रेणी में देश में दूसरा स्थान और 'पीएमएवाई अवाड्र्स-2021:150 डेज चैलेंज' में प्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुल 8 श्रेणी में अवार्ड प्राप्त हुए।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट (गुजरात) में इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव में मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह को बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का अवार्ड प्रदान किया।
- विशेष श्रेणी अवार्ड में मध्य प्रदेश बेस्ट स्टेट फॉर कन्वर्जेंस में गुजरात के साथ, बेस्ट स्टेट फॉर कंडक्टिंग आईईसी एक्टिविटी में झारखंड और अरुणाचल प्रदेश के साथ तथा बेस्ट परफॉर्मिंग एसएलटीसी में उत्तर प्रदेश तथा गुजरात के साथ सह-विजेता बना है।
- म्युनिसिपल अवार्ड (सिटी लेबल) में बेस्ट परफॉर्मिंग म्युनिसिपल अवार्ड नगरपालिक निगम देवास को द्वितीय स्थान, बेस्ट परफॉर्मिंग म्युनिसिपल काउंसिल में नगरपालिका परिषद गोहद (ज़िला भिंड) को द्वितीय और बेस्ट परफॉर्मिंग नगर पंचायत में नगर परिषद जोबट (ज़िला अलीराजपुर) को प्रथम स्थान मिला है। बेस्ट सीएलटीसी अवार्ड नगरपालिक निगम देवास, नगरपालिका परिषद गोहद और नगर परिषद जोबट को मिला है।

मध्य प्रदेश करेगा खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 की मेजबानी

चर्चा में क्यों ?

20 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली के अशोक होटल में हुए उद्घोषणा कार्यक्रम में केंद्रीय एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने 5वें 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022' की मशाल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपते हुए बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेज़बानी इस बार मध्य प्रदेश करेगा।

प्रमुख बिंदु

- 5वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 का आयोजन प्रदेश के 8 नगर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, महेश्वर और बालाघाट में 31 जनवरी से 11 फरवरी, 2023 के बीच होगा।
- मुख्यमंत्री चौहान ने बताया कि राज्य में वर्ष 2003 में खेल बजट 5 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़ कर 350 करोड़ रुपए हो गया है तथा प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमियाँ स्थापित की गई हैं।
- उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में खेल के इंफ्रास्ट्रक्चर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे खिलाड़ियों को न सिर्फ अकादमी में बुनियादी सुविधाएँ मिलेंगी बल्कि हर ज़िले में स्टेडियम, मिनी स्टेडियम, कोचिंग और प्रशिक्षण की व्यवस्था भी बेहतरीन मिलेगी।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में खेलों का वातावरण बनाए रखने के लिये ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ की जा रही हैं। इसमें बुजुर्गों की प्रतियोगिताएँ भी करवाई गई हैं।
- उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पहली बार पारंपरिक खेल मलखंब को भी शामिल किया है। मलखंब मध्य प्रदेश का राज्य खेल है तथा इस खेल में राज्य के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश में अग्रणी है।
- विदित है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 में मध्य प्रदेश के पारंपरिक खेल मलखंब और ब्रेक डांसिंग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था।
- ज्ञातव्य है कि ब्रेक डांस को पेरिस ओलिंपिक-2024 में खेल के रूप में शामिल किया गया है।

नोट :

प्रदेश में 7वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

21 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश आयुष विभाग ने आयुर्वेद दिवस के आयोजन के संबंध में ज़िला आयुष कार्यालय को दिशा-निर्देश जारी करते हुए बताया कि प्रदेश में 7वाँ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की थीम 'हर दिन-हर घर आयुर्वेद'रखी गई है तथा कार्यक्रम की रूपरेखा 'आयुर्वेद/ 2047' थीम को रख कर तैयार की गई है। इस दिन आयुर्वेद के महत्त्व पर केंद्रित अनेक कार्यक्रम होंगे तथा ज़िला स्तर पर आयुर्वेद के जानकार विशेषज्ञों के व्याख्यान के कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आयुर्वेद महाविद्यालयों में 23 सितंबर से आयुर्वेद के महत्त्व पर केंद्रित विभिन्न प्रतियोगिताएँ निरंतर हो रही हैं, जिनमें भाषण प्रतियोगिता के अलावा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर की गतिविधियाँ प्रमुख हैं। शिविर में जन-सामान्य को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिये आयुर्वेद, आयुर्वेद आहार, जिनमें मोटा अनाज की उपयोगिता, वरिष्ठजनों के लिये आयुर्वेद की उपयोगिता के साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिये आयुर्वेद की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी जा रही है तथा जन-सामान्य को औषधीय पौधों के महत्त्व के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।
- विदित है कि आयुर्वेद दिवस धनवंतरी जयंती के मौके पर वर्ष 2016 से लगातार आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद अस्पताल, 1773 आयुष औषधालय और हेल्थ वेलनेस सेंटर कार्यरत् हैं।

क्राफ्ट अवार्ड में मुबारिक खत्री को मिला 'मास्टर आर्टिसन ऑफ द ईयर' का खिताब

चर्चा में क्यों ?

22 अक्तूबर, 2022 को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिल्प पुरस्कार-2021 सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के शिल्पकार मुबारिक खत्री को 'मास्टर आर्टिसन ऑफ द ईयर' का खिताब प्रदान किया गया। उन्हें उनकी असाधारण शिल्प कौशल और उनके पारंपरिक शिल्प - बाग प्रिंट में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये यह पुरस्कार दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- यह पुरस्कार शिल्प ग्राम संगठन द्वारा दिया जाता है, शिल्प ग्राम विश्व शिल्प परिषद की राष्ट्रीय इकाई है। मुख्य अतिथि- साद अल कद्दूमी (अध्यक्ष-विश्व शिल्प परिषद) और प्रसून जोशी (सेंसर बोर्ड इंडिया के प्रमुख) की उपस्थिति में दिल्ली में पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय शिल्प पुरस्कार के लिये लगभग 40 देशों से नामांकन प्राप्त हुए, जिसमें मध्य प्रदेश के एकमात्र शिल्पकार मुबारिक खत्री को 2021 के लिये चुना गया।
- मुबारिक ने बाग ब्लॉक प्रिंट के अपने पारंपरिक शिल्प के पुनरुद्धार पर काम किया। मुबारिक खत्री को उनके आधुनिक नवाचारों और बाग के शिल्प में योगदान के लिये वर्ष 2017 के राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार के लिये भी चुना गया है, जो आने वाले दिनों में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा उन्हें प्रदान किया जाएगा।
- मुबारिक खत्री ने अपनी पारंपरिक कला को समर्पण और भक्ति के साथ संरक्षित किया है और सैकड़ों आदिवासी युवाओं को उन्होंने प्रशिक्षित किया है और उन्हें आजीविका कमाने के लिये रोज़गार के साधन उपलब्ध कराया है।
- शिल्पकार मुबारिक खत्री ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपने आधुनिक नवाचारों को प्रस्तुत किया है।

नोट :

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को मिला 'फाइव स्टार ईट राइट स्टेशन' का प्रमाण-पत्र

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा 'फाइव स्टार ईट राइट स्टेशन (Five Star Eat Right Station)' प्रमाणित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के अनुपालन, स्वस्थ आहार की उपलब्धता, तैयारी के समय भोजन का प्रबंधन, खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय और मौसमी भोजन को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वस्थ आहार के बारे में जागरूकता पैदा करने के आधार पर आँका गया है।
- 'ईट राइट स्टेशन'पहल एफ.एस.एस.ए.आई. और एफ.एम.सी.जी. प्रमुख द्वारा शुरू किये गए 'ईट राइट इंडिया' मूमेंट का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर स्थित खानपान इकाइयों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देना है।
- विदित है कि सघन जाँचों एवं निरीक्षणों के बाद रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को फाइव स्टार रेटिंग दी गई है।

मध्य प्रदेश से पहले मिस्टर इंडिया बने विनीत शर्मा

चर्चा में क्यों ?

25 अक्तूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के अशोक नगर निवासी विनीत शर्मा ने देश की सबसे बड़ी पुरुष प्रतियोगिता मिस्टर इंडिया का खिताब अपने नाम किया।

प्रमुख बिंदु

- इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके द्वारा प्रतिदिन आयोजित होने वाले पौधरोपण कार्यक्रम में विनीत शर्मा को शामिल कर उनके साथ पेड़ भी लगाया। साथ ही इस प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रदेश के पहले युवा बनने पर इस गौरव को मध्य प्रदेश की उपलब्धि बताया।
- 'रूबरू मिस्टर इंडिया 2022' विजेता विनीत शर्मा मिस्टर इंडिया संगठन के ब्रांड एंबेसडर हैं।
- देश में सबसे बड़ी पुरुष प्रतियोगिता आयोजित कराने वाली कंपनी रूबरू मिस्टर इंडिया के 18वें संस्करण में जिन लोगों को फाइनलिस्ट के तौर पर सेलेक्ट किया गया था, उनमें विनीत मध्य प्रदेश के अकेले व्यक्ति थे।
- इस प्रतियोगिता में करीब 30000 लोगों ने भाग लिया था। छह अलग-अलग राउंड में व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, कम्युनिकेशन स्किल एवं अपनी आकर्षक छवि के दम पर विनीत मिस्टर इंडिया के फाइनलिस्ट बने थे।
- विनीत शर्मा वर्तमान में इंदौर में खुद की एक कंपनी त्र्यंबकेश्वर कंस्ट्रक्शन एवं इंटीरियर डिज़ाइन चलाते हैं। विनीत सिविल इंजीनियर हैं, इनकी रुचि पावर लिफ्टिंग, फिटनेस एवं स्पोर्ट में है।
- विनीत शर्मा ने बताया कि रूबरू मि. इंडिया कंपनी पुरुष प्रतियोगिताओं के क्षेत्र में 70% हिस्सेदारी करती है। वह यह प्रतियोगिता वर्ष 2014 से संचालित कर रही है। इस बार इस कंपनी का यह 18वाँ सत्र है।
- रूबरू मिस्टर इंडिया का पूरे विश्व में अधिकतम संख्या में इंटरनेशनल मॉडलिंग कंपटीशन एवं चैंपियनशिप से संबंध रखने का रिकॉर्ड है। इसके अलावा इसी कंपनी ने भारतीय मूल के सबसे ज़्यादा लोगों को अंतर्राष्ट्रीय पुरुष प्रतियोगिता में पुरस्कार एवं खिताब दिलाए हैं।

नोट :

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के मौके पर बटरफ्लाई फेस्टिवल का होगा आयोजन

चर्चा में क्यों ?

26 अक्टूबर, 2022 को सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व सोहागपुर के उप-संचालक ने बताया कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 'एक ज़िला एक उत्पाद' के तहत सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व नर्मदापुरम द्वारा 1 से 6 नवंबर तक पनारपानी गार्डन पचमढ़ी एवं परसापानी नर्मदापुरम में बटरफ्लाई फेस्टिवल मनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- उप-संचालक ने जानकारी दी कि पर्यटकों के साथ ही वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह 1 से 6 नवंबर तक की अवधि के लिये चयनित एवं पुरस्कृत बच्चों तथा अनुभूति कार्यक्रम के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में भ्रमण कराया जाएगा।
- बच्चों को गाइड एवं नेचुरोलिस्ट के द्वारा बटर फ्लाई के रहवास, जीवनचक्र एवं उनसे संबंधित अन्य जानकारी के संबंध में फील्ड विजिट कराई जाएगी।
- इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में बटर फ्लाई के लिये संवेदनशीलता का संचरण होगा।

स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार नियमों में संशोधन

चर्चा में क्यों ?

28 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान को प्रोत्साहित करने के लिये लागू स्व. श्री लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार के नियमों में संशोधन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- शिक्षा के उत्थान में निरंतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन देने हेतु स्व. श्री लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार के लिये प्राचार्यों, शिक्षकों और अध्ययनरत् विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के साथ अब शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत् ग्रंथपाल, क्रीड़ा अधिकारी, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है।
- यह पुरस्कार प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर प्रदान किये जायेंगे।
- स्व. लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार में राज्य स्तर पर 10 प्राचार्य, 50 शिक्षक, 20 ग्रंथपाल, 20 क्रीड़ा अधिकारी, 40 तृतीय श्रेणी कर्मचारी, 40 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा 250 विद्यार्थी (स्नातक-200 एवं स्नातकोत्तर 50) का चयन किया जाएगा।
- इस पुरस्कार में कुल 10 प्राचार्य को क्रमश: एक-एक लाख रुपए और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। इसी प्रकार 50 शिक्षकों को क्रमश: 75-75 हज़ार रुपए 20 ग्रंथपाल को क्रमश:75-75 हज़ार, 20 क्रीड़ा अधिकारी को क्रमश: 40-40 हज़ार, 40 तृतीय श्रेणी कर्मचारी को क्रमश: 40-40 हज़ार तथा 40 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को क्रमश: 30-30 हज़ार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।
- स्व. लक्ष्मण सिंह गौड पुरस्कार में चयनित कुल 250 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 50-50 हज़ार रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।
- स्व. लक्ष्मण सिंह गौड स्मृति पुरस्कार के लिये प्राचार्य अपना आवेदन क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक को भेजेंगे। प्राचार्यों के लिये विषय एवं संकाय का बंधन नहीं होगा। अतिरिक्त संचालक सभी संभागों के लिये पृथक्-पृथक् संभागों में सर्वोच्च गुणांक प्राप्त करने वाले 2-2 प्राचार्यों का पैनल तैयार करेंगे। इस प्रकार 10 संभागों में से कुल 20 प्राचार्यों के नाम तय किये जाएंगे।
- प्रत्येक महाविद्यालय के लिये प्राचार्य द्वारा सक्षम अधिकारी गुणानुक्रम के आधार पर अपने महाविद्यालय/संस्थान से सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक संकाय में से एक शिक्षक, एक ग्रंथपाल, एक क्रीड़ा अधिकारी, एक तृतीय और एक चतुर्थ श्रेणी अधिकारी का चयन किया जाएगा।

नोट :

- महाविद्यालय द्वारा चुने गए शिक्षकों, ग्रंथपालों, क्रीड़ा अधिकारियों तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सूची में से क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक अपने क्षेत्राधिकार से अधिकतम 10 शिक्षकों, 4 ग्रंथपालों, 4 क्रीड़ा अधिकारियों, 8 तृतीय श्रेणी और 8 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पैनल तैयार कर आयुक्त उच्च शिक्षा को प्रेषित करेंगे।
- इस प्रकार सभी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालकों से 100 शिक्षकों, 40 ग्रंथपाल, 40 क्रीड़ा अधिकारी, 80 तृतीय श्रेणी और 80 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नाम प्राप्त होंगे।
- प्रत्येक संभाग से अलग-अलग महाविद्यालयों से कला, वाणिज्य, विज्ञान, गृह विज्ञान एवं विधि संकाय (जैसा महाविद्यालय में लागू हो) गुणानुक्रम के आधार पर स्नातक स्तर पर प्रत्येक संकाय से 4 विद्यार्थी, अर्थात् प्रत्येक संभाग से 20-20 विद्यार्थियों को चयन किया जाएगा।
- स्नातकोत्तर स्तर पर प्रत्येक संकाय से सभी वर्गों में से सर्वोच्च गुणांक प्राप्त करने वाले एक-एक विद्यार्थी का चयन किया जायेगा।
- क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक अपने क्षेत्र के महाविद्यालयों से प्राप्त नामों की संभागवार सूची तैयार करेंगे और गुणानुक्रम के आधार पर विद्यार्थियों का अंतिम चयन कर आयुक्त उच्च शिक्षा को भेजेंगे। इस प्रकार 10 संभागों से स्नातकोत्तर स्तर पर समस्त संकायों से अधिकतम 50 विद्यार्थियों के नाम तथा स्नातक स्तर पर अधिकतम 200 विद्यार्थियों के मान से 10 संभागों से कुल 250 विद्यार्थियों के नाम आयुक्त उच्च शिक्षा को प्राप्त होंगे।

गाँव में भी मिलेंगे साँची के उत्पाद

चर्चा में क्यों ?

28 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा साँची उत्पादों को प्रदेश के गाँव-गाँव तक पहुँचाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा ज़िले के पालखंदा और नरवर ग्राम में साँची उत्पाद के विक्रय केंद्र शुरू किये गये।

प्रमुख बिंदु

- इससे ग्रामीणों को साँची उत्पादों की सुविधा के साथ ही स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर भी मिलेंगे।
- मुख्य कार्यपालन अधिकारी उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ डॉ. सी.बी. सिंह ने बताया कि साँची ग्रामीण विक्रय केंद्रों की स्थापना सतत् रूप से जारी रहेगी। कोशिश की जाएगी कि दुग्ध संघ से संबंधित सभी दुग्ध सहकारी समितियों को ग्रामीण साँची विक्रय केंद्र पार्लर के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिये सभी आवश्यक सुविधाएँ भी उन्हें उपलब्ध कराई जाएंगी।
- वर्ष 1980 में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश में सहकारी क्षेत्र में समन्वित डेयरी विकास की गतिविधियाँ संचालित करने के लिये मध्य प्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम 1960 के अंतर्गत मध्य प्रदेश दुग्ध महासंघ सहकारी मर्यादित (वर्तमान में एम.पी.स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिख) की स्थापना की गई।
- इसी के साथ आणंद प्रणाली पर त्रि-स्तरीय सहकारी संस्थाओं का गठन प्रारंभ हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम स्तर पर लगभग 7000 ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियाँ, द्वितीय स्तर पर 6 सहकारी दुग्ध संघ, जिनके मुख्यालय भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर एवं सागर में हैं तथा राज्य स्तर पर एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) कार्यरत् हैं।

डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

28 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का कुलपति नियुक्त किया।

प्रमुख बिंदु

- वर्तमान में डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला परियोजना समन्वयक, ए.आई.सी.आर.पी.-माइक्रोन्यूट्रिएन्ट्स, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के पद पर कार्यरत् हैं।

नोट :

- इस विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिये होगा।
- राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,ग्वालियर की स्थापना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 2008 के अध्यादेश संख्या 4 द्वारा असाधारण गजट संख्या 507 दिनांक 19 अगस्त, 2008 को जेएनकेवीवी, जबलपुर को विभाजित करके दूसरे कृषि विश्वविद्यालय के रूप में अधिसूचित कर की गई थी।
- आरवीएसकेवीवी अधिनियम (नंबर 4, वर्ष 2009) के अनुसार, बागवानी और पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन अनुसंधान गतिविधियाँ पाँच क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशनों (मुरैना, खरगौन, झाबुआ, इंदौर और सीहोर) के माध्यम से संचालित की जाती हैं; चार क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (ग्वालियर, मंदसौर, उज्जैन और खंडवा) और 4 विशेष अनुसंधान केंद्र (एंटखेड़ी, बगवई, जावरा और बड़वा) में 22 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ एवं कृषि प्रणाली की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिये कई तदर्थ परियोजनाएँ हैं।

222 करोड़ में बनेगी भोपाल की सबसे लंबी सिक्स लेन सड़क

चर्चा में क्यों ?

29 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, कोलार में कोलार तिराहे से गोल जोड़ तक 222 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली भोपाल की सबसे लंबी सिक्स-लेन सीसी सड़क का भूमिपूजन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस सड़क का निर्माण एक साल में पूरा होगा। इससे कोलार की जनता को ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी।
- इस सड़क की लंबाई 15 किमी. व चौड़ाई 0 मीटर (105 फीट) होगी, मार्ग में डिवाइडर के साथ फुटपाथ भी बनाए जाएंगे व मार्ग के बीच पड़ने वाले चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण के साथ आसपास की अतिरिक्त भूमि पर पार्किंग निर्माण कार्य कराया जाएगा।
- यह रोड कोलार की 5 लाख आबादी के लिये उपयोगी होने के साथ ओबैदुल्लागंज, मंडीदीप, सलकनपुर, हरदा, टिमरनी व अन्य जगहों से आने-जाने वाले करीब 5-6 ज़िलों के लोगों के लिये उपयोगी होगी।
- पूरी सड़क पर सीसीटीवी कैमरे लगेंगे और इन कैमरों को पुलिस कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। सड़क निर्माण के दौरान कई पुल-पुलियों का भी निर्माण कार्य किया जाएगा। 222 करोड़ रुपए की राशि से निर्मित होने वाली इस सड़क से कोलार की ट्रैफिक समस्या में सुधार के साथ ही क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी।

ग्वालियर ज़िले में अंतर्राष्ट्रीय डांस कार्निवाल की शुरुआत

चर्चा में क्यों ?

29 अक्टूबर, 2022 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर ज़िले में पाँच दिवसीय उद्भव इंटरनेशनल डांस फेस्टिवल की शुरुआत हुई। इसमें भारत सहित पाँच देशों से 700 से ज्यादा कलाकार प्रस्तुति देंगे।

प्रमुख बिंदु

- इस अंतर्राष्ट्रीय डांस कार्निवाल में भारत सहित ताईवान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और श्रीलंका की 30 टीमें शामिल हुई हैं।
- ग्वालियर के फूलबाग मैदान से कार्निवाल शुरू हुआ, जिसमें भारत सहित पाँच देशों के कलाकारों ने मार्च निकाला। इस दौरान शहर के चौराहों पर ताईवान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और श्रीलंका के कलाकारों ने अपने देशों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।
- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ताइवान के राजदूत बौशुआन गेर ने कहा कि भारत और ताइवान संस्कृति और शिक्षा के कई कार्यक्रम कर रहे हैं, दोनों देशों के कलाकार एक-दूसरे देशों में जाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं और अब कोविड के बाद पहली बार ताईवान की टीम भारत आकर खुश है।

नोट :

- ताइवानी कलाकरों ने कहा कि भारत की संस्कृति समृद्ध है, वहीं ताइवान के कल्चर से बहुत अलग है, यही वजह है कि भारत में आने के बाद उनको बहुत कुछ सीखने-जानने को मिलेगा।
- कश्मीरी कलाकारों ने कहा कि वो पहली बार ग्वालियर में कश्मीरी लोक संस्कृति की प्रस्तुतियाँ देने आए हैं।

मुरैना में आयोजित होगा कृषि मेला

चर्चा में क्यों ?

30 अक्टूबर, 2022 को मुरैना पहुँचे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मुरैना ज़िले में नवंबर में तीनदिवसीय कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि तीनदिवसीय कृषि मेला 11, 12 और 13 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कृषि मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये।
- इस कृषि मेले का आयोजन भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि इस कृषि मेले में प्रदेश और देश से विभिन्न प्रकार के स्टार्टअप आएंगे। इसके साथ ही इस मेले में खेती में नई टेक्नोलॉजी की झलक दिखाई जाएगी। इस मेले के माध्यम से अंचल के किसानों को नई टेक्नोलॉजी और उन्नत खेती के बारे में बताया जाएगा।
- यह ग्वालियर-चंबल अंचल के किसानों के लिये एक ऐतिहासिक मेले के रूप में होगा और इससे अंचल के किसानों को काफी लाभ प्राप्त होगा।

The Vision

नोट :